

6th 7th

विविधता में एकता

शब्दार्थ :-

- i) असत्य - बालत, झूठ
- ii) सत्य - स्पष्ट, सामने
- iii) साहित्यिक - कुदरती
- iv) अधिकांश - खेलने के स्थान अधिकतर
- v) टिकाऊ - आ ज्यादा देर तक टिकने वाली
- vi) स्वाधीन - मतलबी
- vii) अदूरदर्शी - जो दूर तक न सोच सके
- viii) सबल - बहुत तेज
- ix) अवगुण - बुराई, दोष
- x) विविधता - अनेकता
- xi) विपरीत - उलटा
- xii) भीषण - भयानक, डरावना
- xiii) समुखता - मुख्यता
- xiv) स्वर - आवाज
- xv) विजय - जीत

* मौखिक :-

सूचना :- इस पाठ में किस बात पर सकारात्मक डाला गया है ?

उत्तर :- इस पाठ में भारत के विविधता में एकता की बात बताई गई है।

प्रश्न-2 भारत का उत्तरी भाग कहाँ तक फैला हुआ है?

उत्तर भारत का उत्तरी भाग हिमालय के दक्षिण से लेकर विंध्य-विंध्याचल के उत्तर तक फैला हुआ है।

प्रश्न-3 रामचंद्र जी ने क्या सथास किया?

उत्तर रामचंद्र जी ने उत्तर भारत को दक्षिण भारत से जोड़ने का सथास किया।

प्रश्न-4 दक्षिण भारत में किन-किन भाषाओं का प्रयोग होता है?

उत्तर दक्षिण भारत में निम्नलिखित भाषाओं का प्रयोग है:-

- i) मलयालम
- ii) तमिल
- iii) कन्नड़
- iv) तेलुगु

★ लिखित:-

प्रश्न-5 प्राकृतिक दृष्टि से भारत के कितने भाग स्पष्ट हैं? उनके नाम तक दीस बताइए।

उत्तर प्राकृतिक रूप से भारत में निम्नलिखित भाग बताए गए हैं:-

i) उत्तरी भाग - हिमालय के दक्षिण से विंध्य-विंध्याचल के उत्तर तक

ii) मध्य भाग - विंध्य-विंध्याचल से कृष्णा नदी के उत्तर तक

iii) दक्षिण भाग - दक्षिण में कृष्णा नदी से लेकर कुमारी अंतरीप तक।

प्रश्न-2 भारत के इतिहास की क्या शिक्षा है ?
उत्तर भारत में इतिहास की शिक्षा यह है कि इस देश को एक रखने के काम में यहाँ के राजाओं को जो भी सफलता मिली, वह ज्यादा टिकाऊ न हो सकी। इस देश के सांस्कृतिक ढाँचे में ही कोई ऐसी बात थी, जो सारे देश को एक रखने के विरुद्ध जाती थी। स्वार्थ, कमजोर और अदूरदर्शी राजाओं के कारण यह एकता टूट जाती थी।

प्रश्न-3 साचीन काल में उत्तर भारत को दक्षिण भारत के साथ मिलाने के सपने कब-कब कि सुने किए, उनके सपने कहाँ तक सफल रहे ?
उत्तर पुराने समय में उत्तर भारत में जो राज्य कार्य में किए गए, उनमें से अधिकांश राज्य विधियों की उत्तरी सीमा तक ही फैलकर रह गए। विधियों को लाँछकर उत्तर भारत को दक्षिण भारत से मिलाने की कोशिश तो बहुत की गई, पर पूरी तरह से सफलता नहीं मिली। गुजरात समूह ने लंका पर चढ़ाई के मिलाने में विधायक

प्रश्न-4 बड़ी-बड़ी नदियाँ और बड़े-बड़े पहाड़ों के जहाँ अनेक गुण हैं वही एक अवगुण भी है - वह क्या अवगुण है ? स्पष्ट करा।
उत्तर बड़ी-बड़ी नदियाँ और बड़े-बड़े पहाड़ों के जहाँ अनेक गुण हैं वही एक अवगुण भी है। वे जहाँ होती हैं, वहाँ देश के अलग-अलग क्षेत्र बना देते हैं। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के भीतर सांतीयता की भावना को बढ़ावा देते हैं। कावेरी नदी का जल

विवाद इसी का एक उदाहरण है।

प्रश्न-5. भारत में जलवायु की विविधता किन किन रूपों में दिखाई देती है?

उत्तर. भारत में जलवायु की विविधता पाई जाती है। भारत के उत्तरी छोर पर कश्मीर पड़ता है, जिसकी जलवायु मध्य एशिया की जलवायु के समान है। इसके विपरीत भारत के दक्षिणी छोर पर कुमारी अंतरीप है, जहाँ भीषण गर्मी पड़ती है। इसी देश में चैरापूँजी भी है जहाँ साल में 500 इंच से अधिक वर्षा होती है, और दूसरी ओर आरकी मरुभूमि भी है, जहाँ वर्षा होती ही नहीं।

प्रश्न-6. वेशभूषा और खान-पान की विविधता पर अपने विचार संकट कीजिए।

उत्तर. वेशभूषा और खान-पान के भी भारत में विविधता के दर्शन होते हैं। ये मोक्ष सत्यक्ष हैं। ठंडे पहाड़ी क्षेत्रों में पूरे वर्ष गरम कपड़े पहनने पड़ते हैं, जबकि समुद्र तटीय क्षेत्रों में एक ही प्रकार के कपड़ों से काम चल जाता है। दक्षिण भारत के राज्यों में लुंगी पहनकर रहती हैं। सारे देश में खान-पान का एक ही तरीका नहीं चलाया जा सकता है।

प्रश्न-7. भाषा का प्रश्न भारत की एकता में किस प्रकार बाधाक रहा है।

उत्तर. भारत में अनेक भाषाओं का प्रयोग किया जाता है। उत्तर भारत में हिन्दी की प्रमुखता है तो दक्षिण में तमिल, तेलगु, कन्नड़ और

मलयालम का संयोग होता है। भारत में अंग्रेजी मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा को लेकर भी विविध विचार हैं। भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी है। दक्षिण भारत में कभी-कभी हिंदी के विरोध के स्वर उठते रहते हैं। भाषा-भेद की समस्या हमारी राष्ट्रीय एकता में एक बड़ी बाधा है।

प्रश्न-8) भारत की विविधता में कहाँ-कहाँ एकता के दर्शन होते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर भारतीय भाषाओं के भीतर बहने वालीभावधारा एक ही है। संस्कृत सब भाषाओं को आपस में जोड़ती है। 'समाधायन' और 'महाभारत' को लेकर भारत की साथ-साथ सभी भाषाओं के बीच अद्भुत एकता मिलती है। विचारों की एकता देश की सबसे बड़ी एकता होती है। भारत की अधिकांश भाषाओं की लिपियाँ भी काफी सामान्य हैं। भारतीय और दक्षिण भारतीयों के बीच कोई विशेष अंतर नहीं रह जाता है। भाषा की दीवार के आर-पार बैठे हुए भी वे एक हैं।